No. of Printed Pages : 3 **MSKE–009**

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.एस.के.ई.-009 : वेद : वैदिक संहिताएँ और वैदिक व्याकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों का माध्यम हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी* ***या*** *संस्कृत हो, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तर का माध्यम एक ही हो।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।*

3×20=60

1. 'वेद' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए तथा चारों वेदों की वैदिक संहिताओं का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

2. वेदकालीन सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक स्थिति का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. वेदों की शाखाओं को स्पष्ट करते हुए वेद की नित्यता एवं अपौरुषेयता पर विस्तारपूर्वक लिखिये।

4. यजुर्वेद संहिता का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए प्रजापति सूक्त की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिए।

5. अथर्ववेद संहिता का परिचय देते हुए वाक् सूक्त की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

6. चारों वेदों के प्रमुख भाष्यकारों का विस्तृत रूप से परिचय दीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 10 = 40$

7. सामवेद के आग्नेय पर्व का वर्णन कीजिए।

8. सूर्यासूक्त की विषय-वस्तु को स्पष्ट कीजिए।

9. समानाक्षर को बताते हुए संध्यक्षर कौन-कौन से हैं, स्पष्ट कीजिए।

10. प्रकृतिपाठ और विकृतिपाठ का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

11. धातु रूप (लेट् लकार) को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

12. उपसर्गों के द्योतकत्व **अथवा** वाचकत्व के सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

13. वैदिक शब्द रूप को नियमों सहित स्पष्ट कीजिए।

14. वरुण सूक्त की विषय-वस्तु को स्पष्ट कीजिए।

× × × × × × ×